

Q2 असंदर्भ व्याख्या किजिए

अ) "पग धँधरु बाँध मीरा नाची रे।
मै तो मेरे नारायण की आपहि हो गई दासी रे।
लोग कहें मीरा भई बावरी न्यात कहै कुलनासी रे।।
विष का प्याला रणजी भेज्या पीवत मीरा हाँसी रे।।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर सहज मिले अविनासी रे।।१।।

अथवा

" नहीं पराग नहीं मधुर मधु,
नहीं विकास रही काल।
अली कली ही सौ बंद्यौ,
आगे कौन हवाल।।१।।

आ) असंदर्भ व्याख्या दिजिए।

" गरइ गलानि कुटिल कैकेई।
कहि कहै कही दुषनु देई।।
अस मन आनि मुदित त्र नारी।
भयड बहोरी रहब दिन चारी।।१।।
एही प्रकार गत बासर सोऊ।
प्रात नहान लाग सबु कोऊ।।
करी मज्जनु पूजहीं नर नारी।
गनप गोरि तिपुरारि तमारी।।२।।
रमा रमन पद बांदि बहोरी।
बिनवहिं अंजुली अंचल जोरी।।
राजा रामु जानकी रानी।
आनंद अवधि अवध राजधनी।।३।।
सुबस बसउ फिरी सहित समजा।
भरतहि रामु करहुँ जुबराजा।।
एही सुख सुधौँ सिंचि सब कहू।
देव देहु जग जीवन लाहू।।४।।

अथवा

राम सत्यव्रत धरम रत सब कर सीलू सनेहू।
संकट सहत सकोच बस कहिअ जो आयसु देहू।।२९२।

Q3 टिप्पणियाँ लिखिए ।

10

अ) भूषण की कविता में विरभावना

अथवा

पद्मवन में रूपक

आ) केवट प्रसंग

अथवा

अयोध्याकांड में बंधुप्रेम

Q4 संत कबीर की पाखंड-खंडना को उजागर कीजिए।

10

अथवा

“गोस्वामी तुलसीदास ने अयोध्याकांड में पारिवारिक आदर्शों की स्थापना की है। सोदाहरण समझाईए